विवरण

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 1995 और 1996 में संचालित अखिल भारतीय पूर्व चिकित्सा/पूर्व दंत प्रवेश परीक्षा के आधार पर योग्यता-क्रम सूची/प्रतीक्षा सूची में राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार उम्मीदवारों की संख्या को दर्शाने वाला विवरण।

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	योग्यता क्रम सूची में रखे गए उम्मीदवारों की सं.		प्रतीक्षा सूची में रखे गए उम्मीदवारों की सं.	
		1995	1996	1995	1996
1.	अरूणाचल प्रदेश	–	–	–	–
2.	आंध्र प्रदेश	4	7	4	2
3.	असम	–	–	1	–
4.	बिहार	136	144	96	96
5.	गुजरात	2	1	–	1
6.	हरियाणा	181	168	69	65
7.	हिमाचल प्रदेश	17	13	11	9
8.	जम्मू और कश्मीर	1	–	–	2
9.	कर्नाटक	12	12	5	5
10.	केरल	64	103	39	74
11.	मध्य प्रदेश	115	106	73	59
12.	महाराष्ट्र	11	8	10	10
13.	मणिपुर	1	–	–	–
14.	मेघालय	–	–	–	–
15.	मिजोरम	–	–	–	–
16.	नागालैंड	–	–	–	–
17.	उड़ीसा	9	18	8	11
18.	पंजाब	327	279	129	108
19.	राजस्थान	48	70	40	47
20.	सिक्किम	–	–	–	–
21.	तमिलनाडु	27	34	18	13
22.	त्रिपुरा	–	–	–	–
23.	उत्तर प्रदेश	256	284	144	167
24.	पश्चिम बंगाल	28	24	10	10
25.	गोवा	1	–	–	–
26.	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	–	–	–	–
27.	चण्डीगढ़	45	41	31	10
28.	दादरा और नगर हवेली	–	–	–	–
29.	दिल्ली	269	254	87	90
30.	दमन और दीव	–	–	–	–
31.	लक्षद्वीप	–	–	–	–
32.	पाण्डिचेरी	4	–	2	2

Financial Assistance for Vocationalisation of Secondary Education in Maharashtra

825. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT by pleased to state:

(a) whether Government are providing financial assistance under the Centrally sponsored scheme of vocationalisation of secondary education to the schools in the State of Maharashtra, particularly in Nagpur and the whole of Vidarbha region;

(b) if so, the year-wise details thereof for the last three years;

(c) whether Government propose to cover all the schools in Nagpur district under the scheme during 1996-97; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) Yes Sir. Under the Centrally Sponsored Scheme of Vocationalisation of Secondary Education, financial assistance has been provided to the State Govt. of Maharashtra for starting 3480 vocational sections in 1156 schools at the +2 level. The Govt. of Maharashtra has so far operationalised 2842 sections in 994 schools selected by them in 31 districts which include those in the Nagpur and Vidharbha region.

(b) During last three years following funds have been sanctioned to the State:

Years	Amount sanctioned (IN LAKHS)
1993-94	2035.74
1994-95	2449.87
1995-96	3134.44

(c) and (d) The funds are santioned on the basis of proposal received from the State Govts. Based on the proposal received from the State Govt. of Maharashtra in 1996-97 so far, financial assistance of Rs. 56.94 lakhs has been provided under the Centrally Sponsored Scheme of Pre-Vocational Education at Lower Secondary Stage for covering 125 schools including 5 in the Nagpur district.

फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया (एफ सी आई) के संयंत्र के मामले को औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को सौंपा जाना

826. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया के रामागुण्डम स्थित संयंत्र को रुग्ण घोषित करने के उपरांत औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड को सौंप दिया गया है;

(ख) क्या सरकार ने इस इकाई को पुनर्जीवित करने तथा इसे कोयले पर आधारित करने की बजाय गैस पर आधारित बनाने हेतु लगभग 570 करोड़ रुपये स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस राशि को कब तक प्रदान किए जाने की संभावना है और इसमें विलम्ब होने के क्या कारण हैं?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला) : (क) रामागुण्डम स्थित उर्वरक संयंत्र फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. (एफ सी आई) का एक एकक है। रुग्ण औद्योगिक कंपनियां (विशेष उपबन्ध) अधिनियम 1985 के उपबन्धों के अनुसार नवम्बर, 1992 में औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन बोर्ड (बी आई एफ आर) द्वारा एफ सी आई को रुग्ण कंपनी घोषित किया गया था।

(ख) और (ग) सरकार द्वारा अप्रैल, 1995 में एफ सी आई के लिए सिद्धांत रूप में अनुमोदित पुनरुद्धार पैकेज में 1736.20 करोड़ रुपये के नये निवेश से एफ सी आई के सिन्दरी रामागुण्डम तथा तालचर एककों का पुनरुद्धार परिकल्पित था। इसमें रामागुण्डम एकक के पुनरुद्धार के लिए 512 करोड़ रुपए (1994 के मूल्य स्तर पर) का परिव्यय शामिल था जिसमें फीडस्टाक के कोयला से नेफथा पर परिवर्तन के लिए फ्रांट एण्ड परिवर्तन भी शामिल है। किसी निधि व्यवस्था के अभाव में एफ सी आई के लिए पुनरुद्धार पैकेज का कार्यान्वयन नहीं किया जा सका। वित्तीय संस्थाओं (एफ आईज) द्वारा निधि- व्यवस्था के दृष्टिकोण से एफ सी आई के लिए पुनरुद्धार पैकेज का पुनर्निर्धारण करने के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया गया। दल ने पैकेज की तकनीकी व्यवहार्यता का स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए एक परामर्शदाता संगठन अर्थात् फैक्ट इंजीनियरिंग एण्ड डिजाइन आर्गेनाइजेशन (फीडो) की नियुक्ति की थी। परामर्शदाता द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट के अनुसार रामागुण्डम एकक के पुनरुद्धार के लिए 556 करोड़ रुपए के पूंजीगत निवेश की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया है। पुनरुद्धार पैकेज का कार्यान्वयन पुनरुद्धार पैकेज के पुनर्निर्धारण के संबंध में निधिगत व्यवस्था पर बी आई एफ आर जो एक अर्द्ध न्यायिक कल्प है, द्वारा इसके अनुमोदन पर निर्भर है।

Newsitem regarding deterioration in Kendriya Vidyalayas

827. SHRI SHIV CHARAN SINGH:
SHRI PARAG CHALIHA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn towards a newsitem captioned "Kendriya Vidyalayaon Ki Padhai per savaliya nishan" which appeared in the late edition of the "Jansatta", Hindi daily, dated the 7th November, 1996; and

(b) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) Yes, Sir.

(b) Action is on to further improve the academic performance of Kendriya Vidyalayas and achieve in the earliest possible time objective of Zero failure in Classes X and XII. The measures include better supervision of academic activities, special attention to academically weak students, preparation of sample question papers and in-service training of teachers and Principals.